कक्षा – सातवीं
विषय – संस्कृत

Red Wings
Page No. ___ Date __/__/20__

16/4/2021

प्रथमः पाठः वंदना

शब्द	अर्थ
या	जो
देवी	देवी
सर्वभूतेषु	सब प्राणियों में
संस्थिता	मौजूद है
नमः	नमस्कार हो
तस्यै	उसे
करेण	हाथ से
वीणाम्	वीणा को
अपरेण	दूसरे (हाथ) से
मालाम्	माला को
मरालपृष्ठासनसन्निविष्टाम्	हंस की पीठ रूपी आसन पर बैठी हुई
विनाशयन्ती	विनाश करने वाली
विज्ञानवाणीम्	विज्ञान की आवाज को
विनिवेशयन्ती	प्रदान करती हुई
वागीश्वरी	वाणी की देवी
सूर्यसमप्रकाशाम्	सूर्य के समान प्रकाश वाली
सादरम्	आदर से
आनतः	नमस्कार करता हूँ।

Scanned with CamScanner

श्लोकों की हिन्दी लिखिए —

1 या देवी ... नमो नमः।
हिन्दी - जो देवी सभी प्राणियों में बुद्धि रूप से स्थित हैं। उन्हें नमस्कार है, उन्हें नमस्कार है, उन्हें बारंबार नमस्कार है।

2 करेण ... नमामि।
हिन्दी - एक हाथ से वीणा को बजाती हुई तथा दूसरे हाथ से माला को जपती हुई हंस की पीठ पर बैठी हुई उन सरस्वती देवी को सिर झुकाकर नमस्कार करता हूँ।

3 संसारदुःखानि ... सादरमानतोऽहम्।
हिन्दी - संसार के दुःखों का विनाश करने वाली, विज्ञान की आवाज़ को प्रदान करती हुई, सूर्य के समान प्रकाश वाली वाणी की देवी सरस्वती को मैं आदरपूर्वक नमस्कार करता हूँ।

प्र० । संस्कृत में उत्तर दीजिए —

(क) सर्वभूतेषु का देवी बुद्धिरूपेण संस्थिता ?
उ० = सर्वभूतेषु सरस्वती देवी बुद्धिरूपेण संस्थिता।

(ख) सरस्वती कस्य पृष्ठे सन्निविष्टा अस्ति ?
सरस्वती मरालस्य पृष्ठे सन्निविष्टा अस्ति।

(ग) सा एकेन करेण किं करोति ?
उ० = सा एकेन करेण वीणां परिवादयति।

(घ) सरस्वती अपरेण करेण किं करोति ?
सरस्वती अपरेण करेण मालां जपति।

(ङ) संसारस्य दुःखानि का विनाशयति ?
उ० = संसारस्य दुःखानि सरस्वती विनाशयति।

(च) सरस्वती कां विनिवेशयति ?
उ० = सरस्वती विज्ञानवाणीं विनिवेशयति।

(छ) सरस्वती कीदृशी अस्ति ?
सरस्वती सूर्यसमप्रकाशा अस्ति।

5 सन्धि — विच्छेद कीजिए —

नमस्तस्यै	=	नमः + तस्यै
जपन्तीमपरेण	=	जपन्तीं + अपरेण
वागीश्वरी	=	वाक् + ईश्वरी
बुद्धिरूपेण	=	बुद्धि + रूपेण
नमोनमः	=	नमो + नमः
पृष्ठासन	=	पृष्ठ + आस
आनतोऽहम्	=	आनतः + अह

(ग) सा स्वेन करेण किं करोति ?
उ० सा स्वेन करेण वीणां परिवादयति ।

(घ) सरस्वती अपरेण करेण किं करोति ?
सरस्वती अपरेण करेण मालां जपति ।

(ङ) संसारस्य दुःखानि का विनाशयति ?
उ० संसारस्य दुःखानि सरस्वती विनाशयति ।

(च) सरस्वती कां विनिवेशयति ?
उ० सरस्वती विज्ञानवाणीं विनिवेशयति ।

(छ) सरस्वती कीदृशी अस्ति ?
सरस्वती सूर्यसमप्रकाशा अस्ति ।

५ सन्धि - विच्छेद कीजिए -

नमस्तस्यै	=	नमः + तस्यै
जपन्तीमपरेण	=	जपन्तीं + अपरेण
वागीश्वरी	=	वाक् + ईश्वरी
बुद्धिरूपेण	=	बुद्धि + रूपेण
नमोनमः	=	नमो + नमः
पृष्ठासन	=	पृष्ठ + आसन
आनतोऽहम्	=	आनतः + अहम्

Scanned with CamScanner

Page No. ___ Date __/__/20__

7 संस्कृत में अनुवाद कीजिए -

(क) सरस्वती सब प्राणियों में मौजूद है।
सरस्वती सर्वभूतेषु संस्थिता।

(ख) सरस्वती देवी के लिए नमस्कार हो।
सरस्वती देव्यै नमः।

(ग) सरस्वती एक हाथ में वीणा रखती है।
सरस्वती एकेन करे वीणां भवति।

(घ) उसके दूसरे हाथ में माला होती है।
तस्या अपरेण करे मालां भवति।

(ङ) वह सबके दुःखों को नष्ट करती है।
सा सर्वेषु दुःखानि नशायाति।

(च) हम सब विद्या के लिए सरस्वती की वंदना करते हैं।
वयं विद्यायै सरस्वत्याः वंदनां कुर्मः।

(छ) सरस्वती हंस की पीठ पर बैठती है।
सरस्वती मरालस्य पृष्ठे सन्निविष्टा।

Scanned with CamScanner